Hindi Poems on Didi Manmohini

by **www.shivbabas.org**

बेहद की वैरागी दीदी

मुरली से था प्यार बहुत
मुरली का सम्मान

कभी नहीं मिस करती थी
मुरली अमृतपान

28th July
Avyakt Divas

प्रश्न पूछ कर मुरली से
खिंचवाती सबका ध्यान

बेहद की वैरागी दीदी
सभी करे गुणगान

बेहद की वैरागी दीदी

28th July
Avyakt Divas

नियम और मर्यादा
उनके
जीवन की थी शान

मीठी शिक्षा
सुना-सुनाकर
खुलवा देती कान

सखीपन की दे पालना
जीवन लेती दान

बेहद की वैरागी दीदी
सभी करे गुणगान

बेहद की वैरागी दीदी

यज्ञ से था प्यार बहुत और
इकानामी का ध्यान

खूब खातिरी आप करती
घर आये मेहमान

28th July
Avyakt Divas

परखशक्ति से आप लेती
दिल की बातें जान

बेहद की वैरागी दीदी
सभी करे गुणगान

बेहद की वैरागी दीदी

गम्भीर और रमणीक थी
सन्तुलन आलीशान

बालक सो मालिक बन करती
यज्ञ के सब काम

28th July
Avyakt Divas

सुनी-सुनाई बातों से
रहती थी उपराम

बेहद की वैरागी दीदी
सभी करे गुणगान